केदारनाथ में भीषण आपदा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केदारनाथ में बादल फटने से व्यापक क्षति हुई, जिससे **सोनप्रयाग में** मंदाकिनी नदी **का जलस्तर तेज़ी से बढ़ गया।**

- ऐसी परिस्थिति में आपातकालीन सेवाओं को हाई अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि अधिकारियों को **केदारनाथ में 150 से 200 तीर्थयात्री फँसे होने की आशंका** है।

मुख्य बिंदु

- बादल फटने से **केदारनाथ पैदल मार्ग भूस्खलित हुआ**, जिससे मार्ग का लगभग 30 मीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण लोगों की सुरक्षा के चलते इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।
  - **हरिद्वार में** भीषण वर्षा के कारण क्षेत्र में **बाढ़** की स्थिति उत्पन्न हुई। भूपतवाला, हरिद्वार, नया हरिद्वार, कनखल और ज्वालापुर जैसे इलाके इससे गंभीर रूप से प्रभावित हुए।
- क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने उत्तराखंड के **सात ज़िलों में अत्यधिक भीषण वर्षा के लिये रेड अलर्ट जारी किया।**

मंदाकिनी नदी

- यह उत्तराखंड में अलकनंदा नदी की एक सहायक नदी है।
- यह नदी रुद्रप्रयाग और सोनप्रयाग क्षेत्रों में लगभग 81 किलोमीटर तक विस्तृत है तथा चोराबाड़ी हिमनद से निकलती है।
- मंदाकिनी सोनप्रयाग में सोनगंगा नदी में मिल जाती है और **उखीमठ में मध्यमहेश्वर मंदिर के पास** से बहती है।
- अपने मार्ग के अंत में यह अलकनंदा में गिरती है, जो **गंगा** में मिल जाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kedarnath-cloudburst